



asianpaints

सभी रंग किरायती दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता

अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदागांव
93296-47047

वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त...

एड 2 निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन...

एड 3



NIPPON PAINT

एशिया पैसिफिक
का नंबर 1 पेंट*

अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदागांव
93296-47047

शनिवार, 31 अक्टूबर 2026, राजनांदागांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 51, अंक 22, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

अन्नदाता किसानों की समृद्धि ही विकसित भारत की मजबूत आधारशिला : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी, देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों को 18,690 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित



रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके हित में अनेक दूरगामी निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना इसका सशक्त उदाहरण है। इस योजना के माध्यम से किसानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनकी खेती संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी

कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के बनारसकांड में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के रूप में देश के 9 करोड़ 34 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18 हजार 690 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से अंतरित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण योजना है। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को इस योजना से आर्थिक संबल मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 24 लाख 59 हजार 707 किसानों के बैंक खातों में 498 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई है। इससे प्रदेश के लाखों किसान परिवारों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि



आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दूरदर्शी पहल की है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के समस्त किसान परिवारों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की समृद्धि से ही गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कृषि क्षेत्र में बढ़ती आय, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक तकनीक का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने

पूर्णिमा साहू ने सोमनी में निर्माणाधीन फूड

प्रोसेसिंग यूनिट का किया निरीक्षण



प्रोसेसिंग यूनिट के निर्माण से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की स्थिति जानी और अधिकारियों से परियोजना की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। सोमनी में निर्माणाधीन फूड प्रोसेसिंग यूनिट की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लेने राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन परियोजना से संबंधित विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया तथा मौके पर मौजूद संबंधित लोगों से यूनिट की वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि सोमनी में राजगामी संपदा न्यास की लगभग 32 एकड़ भूमि पर शासन की योजना के तहत फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की परियोजना प्रस्तावित है। इस परियोजना को क्षेत्र के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट के माध्यम से कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक विकास की संभावनाएं भी विकसित हो सकती हैं। निरीक्षण के दौरान श्रीमती पूर्णिमा साहू ने परियोजना स्थल का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने यूनिट से जुड़ी व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं तथा आगे किए जाने वाले कार्यों के संबंध में भी चर्चा की।

अर्नब चक्रवाती तूफान से किसानों की चिंता बढ़ी, तत्काल सर्वेक्षण, मुआवजा और संपूर्ण कर्जमाफी की मांग - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। अर्नब चक्रवाती तूफ़न और लगातार बारिश ने राजनांदागांव जिले के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जिले के डोंगरगढ़, डोंगरगांव, छुरिया एवं राजनांदागांव विकासखंडों में तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी धान की फसल जमीन पर बिछ गई है। वहीं सब्जी उत्पादक किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।



जिला कांग्रेस कमिटी राजनांदागांव ग्रामीण के सचिव विष्णु लोधी ने कहा कि किसानों ने पूरे साल मेहनत और पूंजी लगाकर फसल तैयार की थी। अब जब धान की फसल पककर कटाई के लिए तैयार थी, तब प्राकृतिक आपदा ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खेतों में गिरी धान

की फसल के दाने खराब होने, अंकुरित होने तथा गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा है। इससे उत्पादन और बाजार में मिलने वाले दाम दोनों पर असर पड़ेगा। सब्जी उत्पादक किसानों की आजीविका भी प्रभावित हुई है। विष्णु लोधी ने कहा कि यह केवल फसल का नुकसान नहीं, बल्कि किसानों की पूरे साल की मेहनत, लागत और परिवार की आर्थिक सुरक्षा पर संकट है। सरकार को इस विपदा में किसानों को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि जिले के चारों विकासखंडों में तत्काल राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम गठित कर गांव-गांव में फसल नुकसान का निष्पक्ष सर्वेक्षण कराया जाए। प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ उचित मुआवजा दिया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को शत-प्रतिशत बीमा क्षतिपूर्ति दिलाई जाए तथा सब्जी उत्पादक किसानों के नुकसान का भी आकलन कर राहत प्रदान की जाए। उन्होंने आगे कहा कि जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उनकी कृषि ऋण वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों का संपूर्ण कृषि कर्ज माफकिया जाए। साथ ही किसानों को अगली फसल की तैयारी के लिए विशेष आर्थिक सहायता एवं राहत पैकेज दिया जाए। विष्णु लोधी ने कहा कि किसान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जब किसान की फसल संकट में है, तब सरकार की पहली जिम्मेदारी किसान को आर्थिक सुरक्षा देना है। किसानों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि तत्काल राहत, उचित मुआवजा और न्याय मिलना चाहिए।

निधन

डोमन लाल कोर्सेवाड़ा

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता एवं अहिंवारा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदय विदारक है। श्री कोर्सेवाड़ा जी दो बार अहिंवारा से विधायक रहे, छत्तीसगढ़ की राजनीति में उनकी अलग पहचान थी और वे सादगी व जनसेवा के प्रतीक थे। उनके निधन से भाजपा परिवार और छत्तीसगढ़ की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ईओडब्ल्यू का बड़ा एक्शन शराब, कोल लेवी और मेडिकल घोटालों में प्रदेशभर के 16 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

रायपुर(नांदगांव टाइम्स)। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब, कोल लेवी और मेडिकल घोटालों से जुड़े मामलों में कुल 16 स्थानों पर एक साथ तलाशी (छापेमारी) की है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। ईओडब्ल्यू की टीमों ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदागांव, कोरबा और गरियाबंद जिलों में संदिग्धों के ठिकानों को खंगाला है। **तीन बड़े घोटालों में अलग-**

अलग स्थानों पर दबिश शराब घोटाला (अपराध क्रमांक 04/2024): भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं के तहत रायपुर और राजनांदागांव जिलों में कुल 06 स्थानों पर तलाशी ली गई। इस मामले में धोखाधड़ी, दस्तावेजों की कूटसाक्ष्य (फर्जीवाड़ा) और आपराधिक षड्यंत्र के बिंदुओं पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। **कोल लेवी घोटाला (अपराध क्रमांक 03/2024)**



ब्यूरो ने कोरबा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जिलों में कुल 06 ठिकानों पर दबिश दी। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और जबरन वसूली, धोखाधड़ी व फर्जी दस्तावेजों से

जुड़ी धाराओं के अंतर्गत की गई है। **मेडिकल घोटाला (अपराध क्रमांक 05/2025)** चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े इस नए घोटाले के मामले में रायपुर और

अहम साक्ष्य संकलित किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी के दौरान मिले इन नए तथ्यों और साक्ष्यों से मामलों की पुरानी कड़ियों को और अधिक मजबूती मिलने की पूरी संभावना है। फिलहाल, जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों का सूक्ष्म परीक्षण और विश्लेषण किया जा रहा है। आरोपियों की भूमिका और उनके लेन-देन, आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण अभिलेख, संपत्तियों की रजिस्ट्री के दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य

कलेक्टर ने कृषि, उद्यानिकी एवं राजस्व विभाग को फसल क्षति का आकलन करने दिए निर्देश

राजनांदागांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफ़न अरनब के प्रभाव से जिले में हुई फसल क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सर्वेक्षण कर फसलों को हुई क्षति का वास्तविक आकलन करने तथा निर्धारित प्रपत्र में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के



निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि चक्रवाती तूफ़न के प्रभाव से हुई बारिश एवं प्रतिकूल मौसम के कारण धान सहित अन्य कृषि एवं उद्यानिकी फसलों को हुई संभावित क्षति का गंभीरता से

निर्देश दिए। सर्वेक्षण के दौरान प्रभावित किसानों एवं फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने फसल क्षति के सर्वेक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रभावित किसानों की जानकारी राज्य शासन को समय पर भेजी जा सके तथा शासन के नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

खेतों में बिछी धान की फसल देख किसानों का दर्द जाना, मुआवजे के लिए शहर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

जितेंद्र मुदलियार ने तत्काल सर्वे और दीपावली से पहले मुआवजे की मांग की, किसानों ने बताया- कर्ज लेकर की थी खेती, बारिश और अंधड़ से 80 प्रतिशत फसल प्रभावित



राजनांदागांव (नांदगांव टाइम्स)। चक्रवात अर्णब के प्रभाव से हुई बारिश और तेज अंधड़ ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। शुक्रवार सुबह शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार कांग्रेस नेताओं और किसानों के साथ

फसल प्रभावित हो गई है। इससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मुदलियार ने प्रभावित चिंताग्रस्त किसानों को ढांडस बंधाया। उन्होंने कहा कि कहा कि जिले में इस खरीफ सीजन में लगभग एक लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती की गई है। फसल पकने और कटाई की तैयारी के समय हुई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में फसल गिरने और जलभराव से धान की गुणवत्ता तथा उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। खेतों का निरीक्षण करने के बाद शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने

जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर जितेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की। ज्ञापन में सभी विकासखंडों और प्रभावित गांवों में राजस्व, कृषि एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित कर फसल क्षति का निष्पक्ष सर्वे कराने की मांग की गई है। मुदलियार ने कहा कि सर्वे में खेतों में गिरी फसल, जलभराव और बारिश व अंधड़ से हुए अन्य नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाए। प्रभावित किसानों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के तहत पात्रानुसार मुआवजा एवं बीमा राशि उपलब्ध



कराई जाए। उन्होंने सर्वे प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी रखने के साथ दीपावली से पहले किसानों को आर्थिक सहायता देने की मांग की, ताकि संकट से जूझ रहे अन्नदाताओं को राहत मिल सके। इस दौरान वीरेन्द्र चन्दाकर, राजेश गुप्ता, चंपा चंद्राकर, प्रवीण

चंद्राकर, भूषण साहू, शिवमंगल, चेतन चंद्राकर, भूपेन्द्र, तोकेश चंद्राकर, झलू चंद्राकर , सुरेश चन्दाकर, गोकुल ठाकुर, रेवंत चन्दाकर ,बाबूलाल चन्दाकर ,इंदल चन्दाकर , युवराज भारती, हिरण साहू, दुःयंत चन्दाकर मौजूद रहे।

चक्रवाती तूफान ‘अरनब’ का कहर: धान के कटोरे में कुदरत की मार से टूटी किसानों की कमर, कलेक्टर ने जगाई उम्मीद की किरण

दिवाली से ठीक पहले बर्बाद हुई चार महीने की मेहनत, प्रशासन ने दिया हर संभव भरपाई का भरोसा

विशेष संचाददाता, राजू सोनी
राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । प्राकृतिक आपदा ने छत्तीसगढ़ के 'धान के कटोरे' पर ऐसा कहर बरपाया है कि हमारे अन्नदाताओं की कमर ही टूट गई है। पिछले चार महीनों से जिन धान के पौधों को किसानों ने अपने खून-पसीने से पाल-पोस कर बढ़ा किया, जब उनकी बालियों में दाने भरने और फसल पकने का समय आया, तब कुदरत ने ऐसा करूर मजाक किया कि आज किसान अपनी किस्मत पर रोने को मजबूर हैं। महज एक हफ्ते बाद खुशियों का सबसे बड़ा त्योहार 'दीपावली' सिर पर खड़ा है, लेकिन अब यह त्योहार उजड़े हुए खेतों और किसानों की बेबसी को चिढ़ाता हुआ प्रतीत हो रहा है।

खड़ी फसल पर मिलता था कर्ज, अब 'सोई' फसल बनी अभिशाप

किसानों की विडवना देखिए, जब फसल खेतों में लहलहाते हुए खड़ी रहती है, तो साहूकार से लेकर बैंक तक हर कोई कर्ज देने को तैयार रहता है। लेकिन तूफान और बेमौसम बारिश की वजह से अब खेतों में गिरकर 'सो चुकी' फसल ने एक ऐसी विकट समस्या खड़ी कर दी है, जहां किसान खुद को पूरी तरह असहाय महसूस कर रहा है। इस मुश्किल वक्त में जब किसानों को सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत है, तब सिस्टम की लाचारी भी सामने आ रही है। कुछ नेता अपनी गद्दी बचाने की जड़ोजहद में लगे हैं, तो कुछ हड़तालों में व्यस्त हैं। यहां तक कि फसल का आकलन करने वाले पटवारी भी हड़ताल



पर हैं, जिससे किसानों की चिंता दोगुनी हो गई है।

?कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने संभाला पोर्चा, दिए तत्काल सर्वे के निर्देश

निराशा के इस घने अंधेरे के बीच जिले के कलेक्टर जितेन्द्र यादव किसानों के लिए एक बड़ी उम्मीद बनकर सामने आए हैं। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती तूफान 'अरनब' के प्रभाव से जिले में हुई इस भारी तबाही को गंभीरता से लेते हुए, कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे आपसी समन्वय से प्रभावित क्षेत्रों का युद्धस्तर पर सर्वेक्षण करें।कलेक्टर ने स्पष्ट कहा

है कि चक्रवाती तूफान के प्रभाव और प्रतिकूल मौसम के कारण धान सहित अन्य कृषि एवं उद्यानिकी फसलों को हुई संभावित क्षति का अत्यंत गंभीरता से आकलन किया जाए। सभी तहसीलदारों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने मैदाना अमले के साथ प्रभावित ग्रामों में उतरें और नुकसान की वास्तविक जानकारी संकलित कर निष्पत्ति प्रपत्र में जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

किसान घबराएँ नहीं, हर नुकसान की होगी भरपाई

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने फसल क्षति के सर्वेक्षण कार्य को जिले की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' बताया है, ताकि प्रभावित किसानों की पूरी जानकारी समय रहते राज्य शासन को भेजी जा सके और शासन के नियमानुसार राहत राशि व बीमा क्लेम की आवश्यक कार्रवाई पूरी की जा सके। ?उन्होंने जिले के आम नागरिकों और परेशान किसानों को एक बेहद सशक्त और आत्मीय संदेश देते हुए आश्वास किया है— किसान भाई बिल्कुल भी न घबराएं। जिन किसानों का नुकसान हुआ है, सरकार और बीमा कंपनियां उसकी भरपाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अभी हमारा मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि नुकसान कितना और किस क्षेत्र में हुआ है। इस प्राकृतिक आपदा के समय प्रशासन का यह त्वरित कदम और कलेक्टर का यह आश्वासन निश्चित रूप से किसानों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम कर रहा है। सरकार और बीमा कंपनियां किसानों को राहत देने के लिए आगे बढ़ रही हैं, जो इस दिवाली से पहले अन्नदाता के

सिर्फ सुशासन के दावे और बड़े-बड़े वादे नहीं, किसानों को तत्काल राहत दे विष्णुदेव सरकार - महेन्द्र यादव

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । जिला पंचायत सदस्य एवं जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव (ग्रामीण) के महामंत्री महेन्द्र यादव ने चक्रवाती तूफान चर्चनर्बज् से किसानों की फसलों को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार से तत्काल सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। महेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल सुशासन के दावे और बड़े-बड़े वादे करने तक सीमित न रहे, बल्कि संकट की इस घड़ी में किसानों के लिए ठोस कदम उठाए। पहले से ही सरकारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं से परेशान किसान अब चक्रवाती तूफान की मार झेल रहे हैं। तूफान ने किसानों की मेहनत, उम्मीदों और आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रहार किया है तथा उनकी कमर तोड़कर रख दी है। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे सबसे बड़े त्योहार में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन फसलों को हुए नुकसान के कारण किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह किसानों की पीड़ा को समझे और दीपावली से पहले प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देकर



बड़ी राहत प्रदान करे। महेन्द्र यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किसानों के हितों को प्राथमिकता दी जाती थी। दीपावली, तीजा, रक्षाबंधन जैसे त्योहारों के अवसर पर तथा खाद-बीज की आवश्यकता के समय किसानों को आर्थिक संवल देने के लिए समय-समय पर राहत पहुंचाई जाती थी। इससे किसानों में विश्वास और खुशहाली का माहौल रहता था। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश

का किसान एक और सरकारी व्यवस्थाओं से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक आपदा ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में सरकार को किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए केवल घोषणाओं और प्रचार-प्रसार के बजाय धरातल पर राहत पहुंचानी चाहिए। महेन्द्र यादव ने विष्णुदेव साय सरकार से मांग की है कि चक्रवाती तूफान से हुए फसल नुकसान का तत्काल निष्पक्ष सर्वे कराया जाए, प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए और दीपावली से पहले आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

वोट चोर, गद्दी छोड़ महारैली में शामिल होने दिल्ली रवाना हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता चुम्मन साहू

छुरिया (नांदगांव टाइम्स) ।

कांग्रेस पार्टी के च्योट बचाओइंद्रेश बचाओज् अभियान के तहत 1 नवंबर को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल महारैली में शामिल होने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के प्रवक्ता चुम्मन साहू दिल्ली रवाना हुए। महारैली में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता शामिल होकर च्योट चोर, गद्दी छोड़ज् के नारे के साथ

मताधिकार की सुरक्षा और लोकतंत्र की मजबूती का मुद्दा उठाएंगे। कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित इस महारैली का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, संविधान की रक्षा और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद



करना है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है और इसकी पवित्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता चुम्मन साहू ने महारैली में सहभागिता को लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जनता के मताधिकार की सुरक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के मुद्दे पर कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी

आवाज बुलंद करेंगे। दिल्ली में आयोजित इस महारैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी का मानना है कि लोकतंत्र की मजबूती, निष्पक्ष चुनाव और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए जनजागरण आवश्यक है।

चांद का दीदार कर पति की लंबी उम्र की मांगी दुआ चंदन नगर मोतीपुर में उत्साह से मना करवाचौथ पर्व

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक करवाचौथ पर्व चंदन नगर मोतीपुर में श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर चंदन नगर मोतीपुर निवासी संगीता सिन्हा ने अपने पति ऋषि सिन्हा की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल दौपत्य जीवन की कामना करते हुए करवाचौथ का व्रत रखा। करवाचौथ के पावन अवसर पर संगीता सिन्हा ने पारंपरिक सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से भगवान गणेश, माता गौरी एवं करवा माता की पूजा-अर्चना की। दिनभर व्रत रखकर पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना की। शाम को चंद्रमा के



करवाचौथ पर्व पर चंददर्शन एवं पूजा-अर्चना के दौरान पति ऋषि सिन्हा के साथ संगीता सिन्हा ।

मदन साहू ने सरकार को घेरा, फसल क्षति सर्वे में देरी पर उठाए सवाल

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू ने प्रदेश सरकार पर किसानों की समस्याओं के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से फसलें बर्बाद हो रही हैं, लेकिन सरकार अब तक नुकसान का सर्वे कराने की पहल नहीं कर पाई है। पटवारियों की लंबी हड़ताल ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। श्री साहू ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की कथनी और करनी में अंतर साफदिखाई दे रहा है। एक तरफ किसान प्राकृतिक आपदा के कारण फसल नुकसान का सामना कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफशासन-प्रशासन की ओर से उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। श्री साहू ने कहा कि अर्ण ब तूफान के प्रभाव से राजनांदगांव जिले सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने बड़ी मेहनत और

नामांतरण, सीमांकन, गिरदावरी सहित कई जरूरी काम अटक हुए हैं। इसका खामियाजा किसानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी भुगतान पड़ रहा है। श्री साहू ने कहा कि सरकार को इस मामले में चुप्पी साधने के बजाय तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। पटवारी संघ से बातचीत कर हड़ताल समाप्त कराने का रास्ता निकालना चाहिए। वहीं फसल नुकसान से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए सर्वे कार्य में और देरी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जब किसान संकट में हैं, तब सरकार की प्राथमिकता उनकी समस्याओं का समाधान करना होना चाहिए। लेकिन मौजूदा स्थिति में किसान अपनी समस्याओं को लेकर परेशान हैं और शासन की ओर से उचित कदम उठाए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। श्री साहू ने मांग की कि सरकार तत्काल फसल क्षति का सर्वे शुरू कराए, प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करे और पटवारियों की

31 दिन तक गुंजा ददगगुरु एकतीसा का पाठ, झ़ से चुने गए पुरस्कार विजेता,

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स) । स्थानीय श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में साध्वी आर्जुनाश्रीजी म.सा. एवं

साध्वी आगमरूचिश्रीजी म.सा. के सानिध्य में लगातार 31 दिनों तक प्रतिदिन रात्रि में श्री दादागुरु एकतीसा का पाठ किया गया। भक्ति और श्रद्धा से

जुड़े इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों के श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दादागुरु एकतीसा का पाठ गुरु भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक साधना से जुड़ा है। नियमित पाठ और सामूहिक भक्ति से साधकों को मन की एकाग्रता, सकारात्मकता तथा आत्मिक शांति का अनुभव करने की प्रेरणा मिलती है। सामूहिक रूप से एक लय में पाठ करने से वातावरण भक्तिमय बना रहा और समाज के लोगों को एक साथ जुड़ने का अवसर मिला।



अटल आरोग्य लैब में 138 दिनों में 64,671 निःशुल्क जाँचें खैरागढ़ (नांदगांव टाइम्स) । सिविल अस्पताल खैरागढ़ में संचालित

अटल आरोग्य लैब मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। यहां 138 दिनों में 64,671 निःशुल्क जांचें की गई हैं। जिला चिकित्सालय स्तर की 134 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीजों को महंगी जांचों के लिए निजी लैब या दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की घोषणा के क्रियान्वयन के तहत शुरू की गई इस सुविधा से प्रतिदिन औसतन 469 जांचें की जा रही हैं। किडनी फंक्शन टेस्ट (यस्त्रज्ञ), लीवर फंक्शन टेस्ट (रस्त्रज्ञ), लिपिड प्रोफाइल और थायरॉइड हार्मोन सहित विभिन्न जांचें निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे मरीजों के समय और पैसे की बचत हो रही है तथा इलाज पर होने वाला आर्थिक बोझ भी कम हो रहा है। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और बेहतर संचालन के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक बिसेन के मार्गदर्शन में अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

वोट चोरी के खिलाफ महारैली में शामिल होने कुलबीर ने जिले के कांग्रेस नेताओं से की अपील

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आगामी 01 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में च्योट चोर, गद्दी छोड़ज् महारैली का आयोजन किया जा रहा है। इस महारैली में देशभर से कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। छग से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल होंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने बताया कि

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित यह महारैली संविधान, लोकतंत्र एवं आम मजददताओं के मताधिकार की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। श्री छाबड़ा ने कहा कि देश में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची की विश्वसनीयता एवं संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इसी उद्देश्य को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली में देशभर के कांग्रेसजन एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। श्री छाबड़ा ने राजनांदगांव जिले के समस्त कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस संगठन के आह्वान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के नेतृत्व में आयोजित इस महारैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर संविधान, लोकतंत्र एवं मताधिकार की रक्षा के संकल्प को मजबूती प्रदान करें।

शुभांक

8-9-0

779-3 149-4

भाग्यांक

347-4 668- 0

ज्ञान मंथन

- 1) तिलक के होमरूल लीग के प्रथम सचिव कौन थे?
- 2) सरपेंटाइन किस मौलिक शैल का रूपांतरित शैल है?
- 3) गुलाबी कॉलर कामगार किस प्रकार की आर्थिक क्रिया से जुड़े व्यक्ति को कहा जाता है?
- 4) किसके द्वारा कमरे से गर्म या गंदी हवा को बाहर निकाला जाता है?
- 5) पहले भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार से हाल ही में किसे सम्मानित किया जाएगा?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) एनसी केलकर (2) ग्रैबो (3) तृतीयक क्रिया (4) संवत्तन (5) ऊषा मंगेशकर

गायत्री विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में लहराया परचम

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षा के साथ खेल एवं योग



के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे गायत्री विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने एक बार फिर शानदार उपलब्धि हासिल कर जिले एवं संस्था का गौरव बढ़ाया है। गत दिनों जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 भिलाई में आयोजित राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में गायत्री विद्यापीठ के 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न योग विधाओं एवं प्रदर्शनों में अपनी प्रतिभा, एकग्रता, शारीरिक संतुलन एवं अनुशासन का परिचय देते हुए कुल 45 पदक प्राप्त किए। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 20 स्वर्ण, 19 रजत एवं 6 कांस्य पदक जीतकर प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्रों में शिवांश साहू, तनिष्क श्रीवास, मिनख साहू, उन्नति साहू, गुरवेंद्र साहू, कुणाल यादव, प्रणित साहू, प्रतीक चंदेल, सानिध्य साहू, श्रीयांश सोनबोईर, सौर्य साहू, तुष्य बघेल, श्रेयांश सोनबोईर, वेन्या मरकमा, हंशिका, रीतेश गुप्ता, तान्या शर्मा रही। सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में रीपल साहू, तनिष्क श्रीवास्तव, विवान साहू, अनुशा मिश्रा, उन्नति साहू, डालेश्वर, गुरवेन्द्र साहू, मयंक, पीयूष, प्रतीक चंदेल, रविकांत दीपक, सानिध्य साहू, सौर्य साहू, वेन्या मरकमा, रीपिता गुप्ता, तान्या शर्मा। कांस्य पदक प्राप्त करने वाले छात्रों में विवान साहू, गुंजा भारती, अनुशा मिश्रा, अली अब्बास, प्रणित साहू, तुष्य बघेल शामिल है। प्रतियोगिता की विशेष उपलब्धि यह रही कि कुछ विद्यार्थियों ने अलग-अलग योग प्रदर्शनों में दो से तीन पदक हासिल किए। इस प्रकार 32 विद्यार्थियों ने कुल 45 पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस शानदार सफलता पर सभी पदक विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजकिशोर सुरजन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक रूप से सशक्त बनाती है। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और साधना से यह सिद्ध किया है

इंटेन गैस की होम डिलीवरी व्यवस्था पर उठे सवाल, उपभोक्ताओं को वाहन तक बुलाकर दिया जा रहा सिलेंडर

भारी सिलेंडर घर ले जाने में वरिष्ठ नागरिकों को हो रही दिक्कत

छुईखदान (नांदगांव टाइम्स)। घरेलू गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी सुविधा को लेकर छुईखदान क्षेत्र में उपभोक्ताओं की परेशानी सामने आ रही है। गैस सिलेंडर की बुकिंग कराने के बाद उपभोक्ताओं को घर तक सिलेंडर पहुंचाने के बजाय गैस वितरण वाहन को एक निर्धारित स्थान पर खड़ा कर दिया जाता है और लोगों को उसी स्थान पर पहुंचकर सिलेंडर लेने के लिए कहा जाता है। इस व्यवस्था से सबसे ज्यादा परेशानी वरिष्ठ नागरिकों, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और अकेले रहने वाले लोगों को उठानी पड़ रही है। सवाल यह है कि

जब उपभोक्ता घर तक गैस सिलेंडर पहुंचाने की सुविधा के लिए बुकिंग करते हैं, तो फिर उन्हें खुद वाहन तक पहुंचकर सिलेंडर क्यों लेना पड़ रहा है? क्षेत्र के उपभोक्ताओं के अनुसार, गैस वितरण वाहन एक स्थान पर खड़ा रहता है और आसपास के उपभोक्ताओं को वहीं पहुंचकर सिलेंडर लेने के लिए कहा जाता है। जिन लोगों के घर वाहन खड़े होने वाले स्थान से दूर हैं, उन्हें भारी सिलेंडर लेकर पैदल या अन्य साधनों से घर पहुंचना पड़ता है। युवाओं और स्वस्थ लोगों के लिए यह काम किसी तरह संभव हो, लेकिन बुजुर्गों और शारीरिक रूप से कमजोर लोगों के लिए यह बड़ी परेशानी बन जाता है। कई वरिष्ठ नागरिक ऐसे होते हैं, जो भारी सिलेंडर उठाने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में उन्हें



परिवार के सदस्यों या दूसरे लोगों की मदद लेनी पड़ती है। होम डिलीवरी के नाम पर उपभोक्ताओं को क्यों लगाना पड़ रहा चक्र? गैस कनेक्शन लेते समय उपभोक्ताओं को घर तक सिलेंडर पहुंचाने की सुविधा का भरोसा दिया जाता है। इसके बावजूद यदि वितरण वाहन को एक ही स्थान पर खड़ा कर उपभोक्ताओं को वहां बुलाया जाता है, तो होम डिलीवरी की व्यवस्था का औचित्य क्या रह जाता है?

पर डिलीवरी का प्रावधान एलपीजी (रेगुलेशन ऑफिसप्लाइड इंस्ट्रुब्यूशन) ऑर्डर, 2000 के खंड 9(इ) के तहत तेल कंपनी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना गैस वितरक उपभोक्ता के पंजीकृत पते पर होम डिलीवरी करने से इनकार नहीं कर सकता। वहीं, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की मार्केटिंग डिपार्ट्मेंट गाइडलाइंस में भी निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत नॉन-होम डिलीवरी को लेकर कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या संबंधित गैस एजेंसी को इस तरह एक स्थान पर वाहन खड़ा कर सिलेंडर वितरण करने की अनुमति मिली हुई है? यदि अनुमति है तो किन परिस्थितियों और शर्तों के तहत यह व्यवस्था संचालित की जा रही है? और यदि अनुमति नहीं है तो

उपभोक्ताओं को इस तरह परेशान क्यों किया जा रहा है? **वरिष्ठ नागरिकों के लिए कौन करेगा व्यवस्था?** सबसे गंभीर स्थिति उन बुजुर्ग उपभोक्ताओं की है, जिनके परिवार के सदस्य कामकाज के सिलसिले में घर से बाहर रहते हैं। ऐसे में गैस वाहन तक पहुंचना और वहां से भारी सिलेंडर उठाकर घर लाना उनके लिए आसान नहीं होता। दिव्यांग और असहाय उपभोक्ताओं के सामने भी यही समस्या आती है। यदि ऐसे उपभोक्ताओं को भी वाहन तक पहुंचने के लिए कहा जाएगा तो होम डिलीवरी सुविधा का लाभ आखिर किसे मिलेगा? गैस एजेंसी को ऐसे उपभोक्ताओं की परेशानी समझते हुए उनके घर तक सिलेंडर पहुंचाने की विशेष व्यवस्था करनी चाहिए।

ग्राम बढईटोला में स्कूली बच्चों को टी-शर्ट एवं लोअर का वितरण, पूर्व सैनिकों की पहल की हो रही सराहना



पदमराज सिंह ठाकुर कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम

सूरजपुरा एवं पिरचाटोला में कोदो पैरा खाने से पशुओं में विषाक्तता के लक्षण सामने आने पर पशु चिकित्सा विभाग द्वारा तत्काल उपचार एवं आवश्यक कार्रवाई की गई। 28 अक्टूबर को लगभग 10 पशुओं में विषाक्तता के लक्षण पाए गए थे। ग्राम पंचायत सूरजपुरा से सूचना प्राप्त होने पर विभागीय अमले द्वारा उसी रात प्रभावित पशुओं का उपचार किया गया। 29 अक्टूबर की सुबह लगभग 145 पशुओं में कोदो पैरा विषाक्तता के लक्षण पाए जाने के बाद

पशु चिकित्सा विभाग ने उपचार कार्य में तेजी लाई। विकासखंड सहसपुर लोहारा के समस्त मैदानी अमलों, मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) तथा आसपास के क्षेत्र के पशु चिकित्सा सहायकों, मैत्री कार्यकर्ताओं एवं गौ सेवकों के सहयोग से पशुपालकों के घर पहुंचकर प्रभावित पशुओं का उपचार किया जा रहा है। पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी उप संचालक डॉ. आशीष देवांगन ने पशुपालकों से

अपील की है कि वे अपने पशुओं को कोदो पैरा वाले खेतों में चरने न दें। पशुओं में कपकपी, असंतुलन या विषाक्तता के अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र से संपर्क कर उपचार कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

ग्राम बढईटोला में स्कूली बच्चों को टी-शर्ट एवं लोअर का वितरण, पूर्व सैनिकों की पहल की हो रही सराहना

खैरागढ़ राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शुक्रवार को ग्राम बढईटोला के शासकीय प्राथमिक शाला में ग्राम के सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं भूतपूर्व कर्मचारियों के सहयोग से स्कूली बच्चों को निःशुल्क टी-शर्ट एवं लोअर वितरित किए गए। ग्राम के सरपंच एवं पूर्व सैनिक योगेश वर्मा और पंचों की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में सैनिक गुनेश्वर वर्मा पिता धनालाल वर्मा, सैनिक यूकेश वर्मा पिता पुलश वर्मा, सैनिक तुलेश्वर यादव पिता राममुख यादव तथा बीएसपी के पूर्व कर्मचारी दीलत राम वर्मा ने विशेष सहयोग



प्रदान किया। इस पहल से विद्यालय के बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। गांव में सभी सहयोगकर्ताओं के इस सामाजिक योगदान की सराहना की जा रही है। बच्चों को दिया देश सेवा का संदेश इस अवसर पर

सहयोगकर्ताओं ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में सफलता प्राप्त करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के

लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप लोगों को भी आगे चलकर देश की सेवा करनी है और अपने परिवार, गांव तथा क्षेत्र का नाम रोशन करना है। देश सेवा का जज्बा और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना बचपन से ही विकसित होनी चाहिए। ग्रामीणों ने की पहल की सराहना सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं बीएसपी कर्मचारी की सेना में एकदम से सनाटा छा गया। उसी सनाटे में से एक रथ कौरवों की सेना से निकलकर पांडवों के खेमे की ओर चलने लगा। उस रथ पर कोई और नहीं बल्कि खुद युयुत्सु सवार थे। उन्होंने पांडवों में सबसे श्रेष्ठ युधिष्ठिर के सामने हाथ जोड़ते हुए अपने भाइयों और अधर्म के खिलाफ लड़ने की इच्छा जताई। महाभारत खत्म होने के बाद कौरव वंश का नाश हो गया।

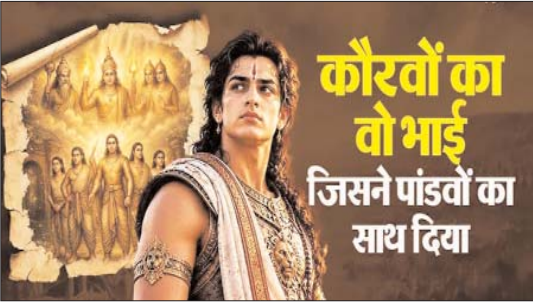
कबीरधाम पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फ़ीरफ़िट एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का दिया गया प्रशिक्षण

पदमराज सिंह ठाकुर कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए फ़ीरफ़िट एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में दुर्र एवं राजनांदगांव रेंज के फ़ीरफ़िट विशेषज्ञ निरीक्षक श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फ़ीरफ़िट से संबंधित वैज्ञानिक प्रक्रियाओं तथा आधुनिक तकनीकी प्रणालियों के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के महत्व को समझाते हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इनके प्रभावी उपयोग के लिए दक्ष बनाना था। प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटनास्थल से फ़ीरफ़िट प्राप्त करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया, फ़ीरफ़िट की पहचान एवं संरक्षण, फ़ीरफ़िट डेवलपिंग किट के उपयोग तथा वैज्ञानिक साक्ष्यों के सुरक्षित संकलन एवं विश्लेषण के संबंध में जानकारी दी गई।

धर्म समाचार....

हिंदू धर्म का सबसे विशाल और पवित्र महाकाव्य 'महाभारत' में हमें अक्सर दो पक्षों पांडव और कौरव के बारे में बताया जाता है। एक ओर धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने वाले पांचों भाई यानी पांडव जबकि दूसरी ओर सौ भाई जिन्हें हठ, अधर्म और अन्याय का प्रतीक माना जाता है। लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि 100 कौरवों के समूह में एक भाई ऐसा भी था जिसके मन ने कभी भी अधर्म के मार्ग पर चलने की गवाही नहीं दी। यह राजकुमार कोई और नहीं बल्कि धृतराष्ट्र के पुत्रों में से एक पुत्र 'युयुत्सु' की है। इस अकेले योद्धा ने इस बात को साबित कर दिया कि धर्म परिवार से हमेशा ऊपर रहा है। आइए जानते हैं महाभारत के इस अनसुने पात्र के बारे में जिसे सच्चाई और अच्छाई से आज भी दुनिया बेखबर है।

युयुत्सु कौन था ?— धृतराष्ट्र का पुत्र युयुत्सु जिसके परम त्याग और धर्म के रास्ते को अपनाने के बाद भी वो जगह नहीं मिली जो उसे मिलनी चाहिए थी। राजा धृतराष्ट्र और रानी गांधारी के सौ पुत्र थे जिन्हें कौरव के नाम से जाना जाता है, लेकिन गांधारी ने युयुत्सु को जन्म नहीं दिया। दरअसल उनका जन्म धृतराष्ट्र और एक वैश्य दासी से हुआ था,



जिनका नाम सुगधा था। इसी वजह से युयुत्सु राजकुमार होने के बाद भी उन्हें हमेशा दुर्योधन और उनके भाइयों से कम ही समझा जाता है। जहां एक ओर दुर्योधन और बाकी भाई सत्ता के मद में डूबे हुए थे, वहीं युयुत्सु चुपचाप सबकुछ देखते और समझते थे। युयुत्सु नाम का असल मतलब 'युद्ध की इच्छा रखने वाला', लेकिन फिर उन्होंने कभी किसी राज्य या संपत्ति के लिए लड़ाई नहीं की बल्कि सत्य और न्याय के लिए कौरवों का साथ नहीं दिया।

अधर्म के खिलाफ उठई पहली आवाज— युयुत्सु के सच्चे चरित्र से पता पहली बार तब

कौरवों का तो भाई जिसने पांडवों का साथ दिया

उठा जब पांडव जुए में अपना सर्वस्व हार चुके थे और भरी सभा में द्रोपदी का अपमान किया जा रहा था। जब दुर्योधन के कहने पर दुशासन द्रोपदी को निर्वस्त्र करने की कोशिश करता है, तब भीष्म, द्रोण और कृपाचार्य जैसे बड़े-बड़े ज्ञान और योद्धा सिर झुकाए बैठे थे। उस समय भर सभा में सिर्फ दो लोगों ने इस घोर अधर्म के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। जिसमें एक धृतराष्ट्र के भाई विदुर और दूसरे उनके ही अपने पुत्र युयुत्सु थे। युयुत्सु ने इस घटना को लेकर भरी सभा में अपने भाइयों को चेताया और इसे यशस्वी कार्य करार

देते हुए कहा कि, इस पाप का फल पूरे कुरु वंश को भुगतना पड़ेगा। जब सभा में मौजूद सभी सम्मानित व्यक्ति भी इस घटनाक्रम पर चुपची साधे हुए थे, तब युयुत्सु ने साहस दिखाते हुए अपने ही भाइयों का विरोध किया था। यहीं से युयुत्सु ने खुद को कौरवों से अलग कर लिया।

युयुत्सु को धर्मयुद्ध ने पुकारा— कुरुक्षेत्र युद्ध के समय जब पांडव और कौरव की सेना आपने-सामने थी, तब दुर्योधन ने अनेकों घोषणा करते हुए कहा कि, 'हमारी लड़ाई सिर्फ अधर्म से है किसी व्यक्ति से नहीं' अगर जिसे मेरी बात सही लगती है उसका कौरवों की सेना में स्वागत और जिसे लगता है कि इस युद्ध में हम गलत हैं, वो पांडवों की सेना में जा सकता है। इस घोषणा के बाद कौरवों की सेना में एकदम से सनाटा छा गया। उसी सनाटे में से एक रथ कौरवों की सेना से निकलकर पांडवों के खेमे की ओर चलने लगा। उस रथ पर कोई और नहीं बल्कि खुद युयुत्सु सवार थे। उन्होंने पांडवों में सबसे श्रेष्ठ युधिष्ठिर के सामने हाथ जोड़ते हुए अपने भाइयों और अधर्म के खिलाफ लड़ने की इच्छा जताई। महाभारत खत्म होने के बाद कौरव वंश का नाश हो गया।

धृतराष्ट्र के 100 पुत्रों के बीच एक ऐसा बेटा भी था जिसने कौरवों का साथ नहीं दिया!

चाणक्य नीति: इन 5 लोगों को भूलकर भी न दें उधार, डूब जाएगा आपका पूरा पैसा

आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में ऐसी कई शिक्षाएं दी हैं जो आज के युग में प्रासंगिक हैं। यही नहीं अगर लोग उनका पालन करते हैं जो जीवन में कभी धोखा नहीं खा सकते हैं। ऐसे ही आचार्य चाणक्य बताते हैं कि कई बार जीवन में हम कुछ ऐसे निर्णय कर लेते हैं जिनसे आगे के समय में कई तरह के नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। उन्हीं में से हैं किसी भी व्यक्ति को बिना सोचे समझे उधार देना। अक्सर लोग जब किसी को उधार देते हैं तब यही उम्मीद करते हैं कि वो अपनी सुविधानुसार जल्द ही उनका पैसा वापस कर देगा, लेकिन कई बार पैसा कभी वापस नहीं मिलता है। आचार्य चाणक्य बताते हैं कि व्यक्ति को कुछ लोगों को बोलकर भी पैसा उधार नहीं देना चाहिए, नहीं तो आपको मेहनत की कमाई कभी वापस नहीं मिलेगी। आइए आपको बताते हैं उनके बारे में। आचार्य चाणक्य बताते हैं कि जो व्यक्ति कभी किसी भी भी पहले धोखा दे चुका हो उसको अगर आप पैसा उधार में देते हैं, तो आपका पैसा कभी वापस नहीं मिलेगा। ऐसा व्यक्ति अपनी ही बातों से मुकर सकता है और उससे आपको पैसा वापस मिलने की उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए। कभी भी आप किसी को भी पैसा उधार में देने से पहले उसके व्यवहार और पुराने लेन-देन के बारे में जानकारी जरूर लें।

